बिहार के 3 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के लिये चयनित बिहार के तीन शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किये।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में देशभर के कुल 75 चयनित शिक्षकों को वर्ष 2023 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।
- इस शिक्षक सम्मान समारोह में सभी पुरस्कृत शिक्षकों को पुरस्कार स्वरूप 50 हज़ार रुपए नकद, प्रशस्ति-पत्र, शॉल, श्रीफल दिया गया।
- समारोह में बिहार के कैमूर ज़िला स्थित आदर्श बालिका प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगढ़ के शिक्षक अनिल कुमार सिंह, सीतामढ़ी स्थित माध्यमिक विद्यालय मधुबन के शिक्षक द्विजेंद्र कुमार और किशनगंज स्थित हाईस्कूल सिंघिया की शिक्षिका कुमारी गुड्डी को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार दिया गया।
- **राष्ट्रीय शिक्षक दिवस**
  - वर्ष 1962 से प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य भारत में स्कूल अध्यापकों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहित अन्य शिक्षकों के योगदान का सम्मान करना है।
  - भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने छात्रों के उत्सव के अनुरोध की प्रतिक्रिया में उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।
- **राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार:**
  - राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार का उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शिक्षकों के अनूठे योगदान का जश्न मनाना तथा उन शिक्षकों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।
  - ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं।
  - पुरस्कार में एक रजत पदक, एक प्रमाण-पत्र एवं 50,000 रुपए की नकद राशि शामिल है।
  - इस वर्ष पुरस्कार के दायरे में स्कूली शिक्षा तथा साक्षरता विभाग द्वारा चयनित शिक्षकों के अतिरिक्त उच्च शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा चयनित शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।